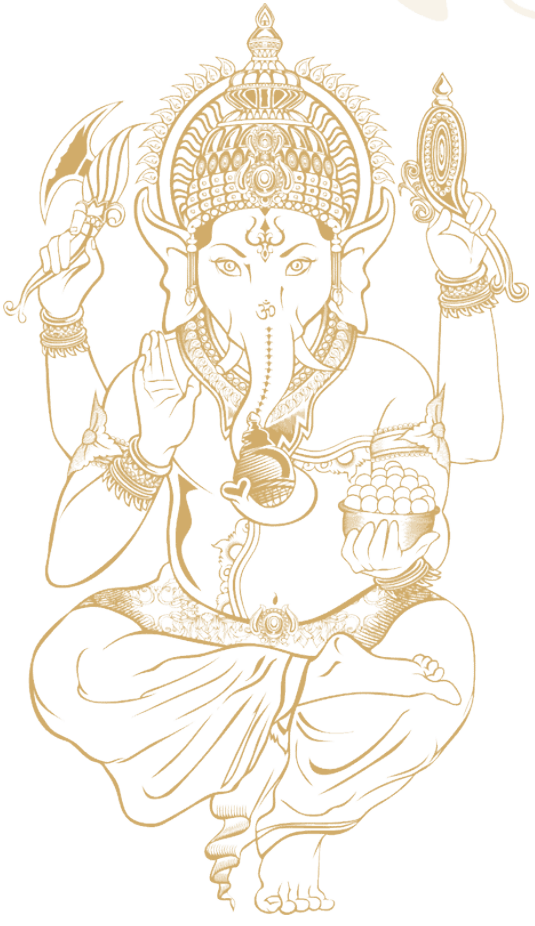

# Dipendra

22 Aug 2005

03:10 AM

Sikar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121402903

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **21-22/08/2005** |
| दिन | रवि-सोमवार |
| **जन्म समय** | **03:10:00 घंटे** |
| इष्ट | 52:49:08 घटी |
| **स्थान** | **Sikar** |
| राज्य | Rajasthan |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 27:51:00 उत्तर |
| रेखांश | 75:14:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:29:04 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 02:40:56 घंटे |
| वेलान्तर | -00:03:09 घंटे |
| साम्पातिक काल | 00:42:09 घंटे |
| सूर्योदय | 06:02:20 घंटे |
| सूर्यास्त | 19:01:31 घंटे |
| दिनमान | 12:59:10 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 04:58:41 सिंह |
| लग्न के अंश | 27:05:42 मिथुन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **मीन - गुरु** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उ०भाद्रपद - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | शनि |
| योग | धृति |
| करण | विष्टि |
| गण | मनुष्य |
| योनि | गौ |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | विप्र |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | सर्प |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | जल |
| जन्म नामाक्षर | दू-दूधेश्वर |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | ताम्र - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | सिंह |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 27:05:42 | 310:57:51 | पुनर्वसु | 3 | 7 | बुध | गुरु | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | सिंह | 04:58:41 | 00:57:47 | मघा | 2 | 10 | सूर्य | केतु | मंगल | मूलत्रिकोण |
| चंद्र | | | मीन | 05:14:31 | 14:37:58 | उ०भाद्रपद | 1 | 26 | गुरु | शनि | शनि | सम राशि |
| मंगल | | | मेष | 19:00:00 | 00:27:07 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | राहु | स्वराशि |
| बुध | | | कर्क | 16:51:07 | 00:42:37 | आश्लेषा | 1 | 9 | चंद्र | बुध | बुध | शत्रु राशि |
| गुरु | | | कन्या | 22:43:45 | 00:10:34 | हस्त | 4 | 13 | बुध | चंद्र | सूर्य | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | कन्या | 11:43:13 | 01:10:56 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | मंगल | नीच राशि |
| शनि | | | कर्क | 10:41:40 | 00:07:18 | पुष्य | 3 | 8 | चंद्र | शनि | सूर्य | शत्रु राशि |
| राहु | व | | मीन | 20:30:03 | 00:01:53 | रेवती | 2 | 27 | गुरु | बुध | शुक्र | सम राशि |
| केतु | व | | कन्या | 20:30:03 | 00:01:53 | हस्त | 4 | 13 | बुध | चंद्र | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | कुंभ | 15:15:13 | 00:02:21 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | --- |
| नेप | व | | मक | 21:54:44 | 00:01:35 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | शुक्र | --- |
| प्लूटो | व | | वृश्चि | 27:55:29 | 00:00:22 | ज्येष्ठा | 4 | 18 | मंगल | बुध | शनि | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 17:31:37 | -- | रेवती | -- | 27 | गुरु | बुध | बुध | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:05

## लग्न-चलित

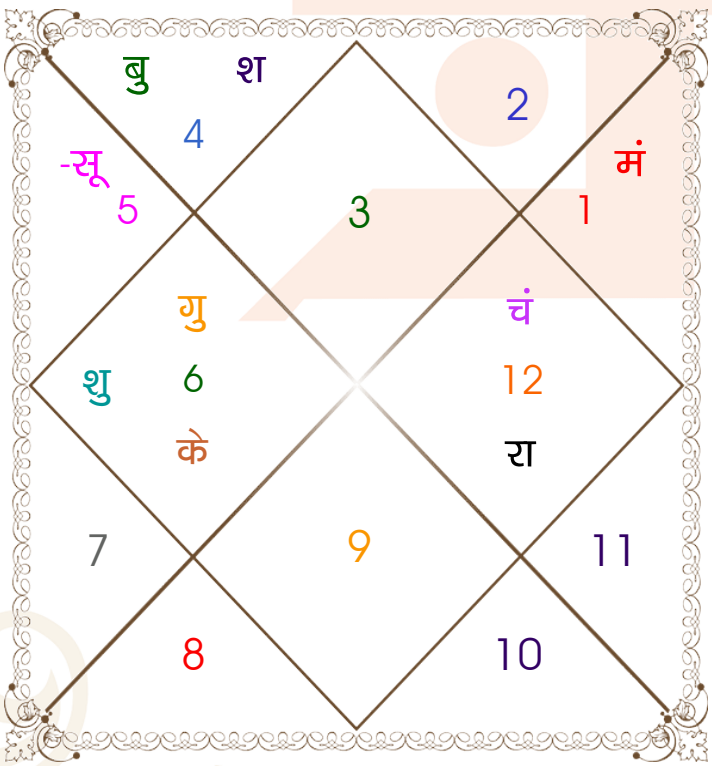


## चन्द्र कुंडली

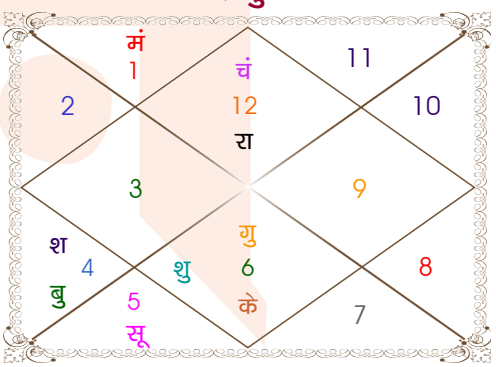


## नवमांश कुंडली

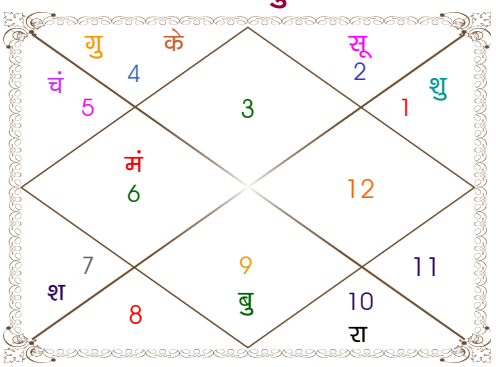

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 3 मास 10 दिन

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 22/08/2005 | | 02/12/2021 | | 02/12/2038 | | 02/12/2045 | | 02/12/2065 | |
| 02/12/2021 | | 02/12/2038 | | 02/12/2045 | | 02/12/2065 | | 02/12/2071 | |
| शनि | 05/12/2005 | बुध | 30/04/2024 | केतु | 30/04/2039 | शुक्र | 02/04/2049 | सूर्य | 21/03/2066 |
| बुध | 14/08/2008 | केतु | 27/04/2025 | शुक्र | 29/06/2040 | सूर्य | 03/04/2050 | चंद्र | 20/09/2066 |
| केतु | 23/09/2009 | शुक्र | 26/02/2028 | सूर्य | 04/11/2040 | चंद्र | 02/12/2051 | मंगल | 26/01/2067 |
| शुक्र | 23/11/2012 | सूर्य | 01/01/2029 | चंद्र | 05/06/2041 | मंगल | 01/02/2053 | राहु | 21/12/2067 |
| सूर्य | 05/11/2013 | चंद्र | 03/06/2030 | मंगल | 01/11/2041 | राहु | 01/02/2056 | गुरु | 08/10/2068 |
| चंद्र | 06/06/2015 | मंगल | 31/05/2031 | राहु | 20/11/2042 | गुरु | 02/10/2058 | शनि | 20/09/2069 |
| मंगल | 15/07/2016 | राहु | 17/12/2033 | गुरु | 27/10/2043 | शनि | 02/12/2061 | बुध | 27/07/2070 |
| राहु | 22/05/2019 | गुरु | 24/03/2036 | शनि | 05/12/2044 | बुध | 02/10/2064 | केतु | 02/12/2070 |
| गुरु | 02/12/2021 | शनि | 02/12/2038 | बुध | 02/12/2045 | केतु | 02/12/2065 | शुक्र | 02/12/2071 |

| चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 02/12/2071 | | 02/12/2081 | | 02/12/2088 | | 03/12/2106 | | 03/12/2122 | |
| 02/12/2081 | | 02/12/2088 | | 03/12/2106 | | 03/12/2122 | | 00/00/0000 | |
| चंद्र | 02/10/2072 | मंगल | 30/04/2082 | राहु | 15/08/2091 | गुरु | 20/01/2109 | शनि | 23/08/2125 |
| मंगल | 03/05/2073 | राहु | 19/05/2083 | गुरु | 07/01/2094 | शनि | 04/08/2111 | | 00/00/0000 |
| राहु | 02/11/2074 | गुरु | 23/04/2084 | शनि | 13/11/2096 | बुध | 09/11/2113 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 03/03/2076 | शनि | 02/06/2085 | बुध | 03/06/2099 | केतु | 15/10/2114 | | 00/00/0000 |
| शनि | 02/10/2077 | बुध | 31/05/2086 | केतु | 21/06/2100 | शुक्र | 15/06/2117 | | 00/00/0000 |
| बुध | 03/03/2079 | केतु | 27/10/2086 | शुक्र | 22/06/2103 | सूर्य | 04/04/2118 | | 00/00/0000 |
| केतु | 03/10/2079 | शुक्र | 27/12/2087 | सूर्य | 16/05/2104 | चंद्र | 04/08/2119 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 02/06/2081 | सूर्य | 03/05/2088 | चंद्र | 15/11/2105 | मंगल | 10/07/2120 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 02/12/2081 | चंद्र | 02/12/2088 | मंगल | 03/12/2106 | राहु | 03/12/2122 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।